आपके पत्र

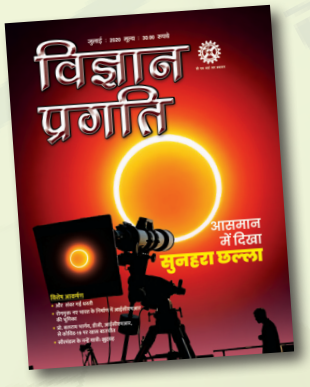

रोचक पत्रिका

विज्ञान प्रगति बहुत ज्ञानवर्धक पत्रिका है। जून 2020 का अंक अंतर्राष्ट्रीय पादप-स्वास्थ्य वर्ष पर विशेष रहा। इस वर्ष टिड्डी दल की बीमारी भारत के कई क्षेत्रों में काफी मुख्य समस्या रही। इस पर आधारित लेख फसलों का प्लेग 'टिड्डी दल' काफी रोचक लगा। 'स्मार्ट खेती' पर आधारित लेख काफी लाभप्रद था जिससे खेती के आधुनिक तरीकों का पता चला। पादप-स्वास्थ्य एवं प्रबन्धन पर प्रश्नोत्तरी से पौधों एवं उनसे संबंधित बीमारियों के बारे में रोचक जानकारी प्राप्त हुई। अक्सर इस तरह की प्रश्नोत्तरी परीक्षाओं में पूछे जाते हैं जो कि विद्यार्थी वर्ग के लिए उपयोगी हैं। इसी अंक में शुभदा कपिल द्वारा वैश्विक महामारी 'कोरोना' पर एक बेहतरीन 'कोरोना स्पेक्ट्रम' लिखित है जिससे इस महामारी के खिलाफ नए-नए उपकरणों एवं तकनीकों की जानकारी प्राप्त हुई। बच्चों को कार्टून के माध्यम से जानकारी देने वाला साइंस कार्टून भी काफी रोचक लगा।

श्री उत्कर्ष वर्मा
आंचल नार्सिंग होम, आंवला (बरेली)
[मो.: 08941080414;
ई-मेलः utkarshvermauv880@gmail.com]

ज्ञानवर्धक पत्रिका

विज्ञान प्रगति का जुलाई अंक बहुत ही ज्ञानवर्धक और शोधपरक अंक था। इस अंक में 'दशक का पहला वलयाकार सूर्य ग्रहण' आमुख कथा बहुत ही पंसद आई। इसके अलावा 'फौकॉल्ट पेंडुलम' लेख एक अलग विषय था वह जो विज्ञान प्रगति के पाठकों को बहुत ही शोधपरक लगा। भारतीय रेल इंजनों की रोचक जानकारी भी बहुत पसंद आयी। अतः मेरी इच्छा है कि ऐसे ही शोधपरक और ज्ञानवर्धक अंक इस पत्रिका में प्रकाशित होते रहें जिससे युवा वर्ग इसका लाभ उठा सकें।

श्री त्रिषभ उपाध्याय
सरस्वती नगर, टूण्डला (फिरोजाबाद)
[मो.: 9810394476;
ई-मेलः rishabh.cat05612@gmail.com]

महत्वपूर्ण पत्रिका

मैं छत्तीसगढ़ राज्य के मनेन्द्रगढ़ में पर्यावरण के क्षेत्र में स्कूली बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु कार्य कर रहा हूं, एवं नेशनल ग्रीन कोर कोरिया जिले का कोऑर्डिनेटर भी हूं। विज्ञान प्रगति के जून 2020 के अंक में प्रोफेसर दिनेश चमोला ''शैलेश'' की विज्ञान कविता ने बहुत प्रभावित किया। पादप संरक्षण एवं अंतर्राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य वर्ष के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। पर्यावरण संचेतना में विज्ञान प्रगति के हर अंक सहायक होते हैं एक अभियान के तहत मैं अपने छोटे से प्रयास के माध्यम से अपने राज्य की विलुप्त होती पादप-प्रजातियों के संरक्षण का काम भी कर रहा हूं। मेरा मानना है कि पौधे जैवविविधता की बुनियाद हैं, हमारी पृथ्वी पर जीवन का आधार हैं। शुद्ध हवा पानी भोजन और ईंधन में इनकी अहम् भूमिका है। सभी पशु पक्षी इस पर आश्रित हैं, इनके खात्मे से प्रकृति में असंतुलन पैदा होगा। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के उपक्रम के तहत गठित ''इको क्लब'' के स्कूली विज्ञान प्रशिक्षण में विज्ञान प्रगति के अंक बहुत सहायक सिद्ध होते हैं। विज्ञान प्रगति के विभिन्न लेखों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी मिलती रहती है। दुनिया के हर पांचवें पौधों पर विलुप्त होने का इन दिनों संकट छाया हुआ है करीब 38000 पौधों पर ''यूनियन फॉर द कंजर्वेशन ऑफ नेचर'' ने अपने शोध में भी बताया है कि उष्णकटिबंधीय इलाकों के पौधों पर विलुप्त का खतरा मंडरा रहा है। आज दुनिया के करीब एक तिहाई पौधे विलुप्त होने के कगार पर हैं। जलचर स्तनपायी पक्षियों के क्रमागत मुकाबले पौधों पर विलुप्त होने का खतरा ज्यादा है।

श्री सतीश उपाध्याय
जिला समन्वयक, राष्ट्रीय हरित वाहिनी (इको क्लब)
मनेन्द्रगढ़, जिला-कोरिया, (छत्तीसगढ़)
[मो.: 09300091563;
ई-मेलः satishupadhyay36@gmail.com]

चमकता सितारा

निःसंदेह पत्रिकाओं के आसमान में विज्ञान प्रगति एक ऐसा चमकता सितारा है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है। लहराते समुद्र में डूबते जहाज का अनेकों बार विज्ञान प्रगति (साहिल), बनकर छात्रों का ज्ञानवर्धन किया है। बहुत पहले वर्ष 2013 के अंक में 'ज्वार भाटा क्यों आते हैं' लेख बहुत प्रसिद्ध हुआ था। विज्ञान प्रगति में प्रकाशित होने वाले लेख नवीन वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित और शोधपरक ज्ञान से परिपूर्ण होते हैं। नित नई नवीन जानकारी इस पत्रिका के माध्यम से पाठक वर्ग तक पहुंचती है। इतने अच्छे प्रकाशन और वैज्ञानिक और शोधपरक जानकारी पाठक वर्ग तक पहुंचाने के लिए संपादक मंडल का धन्यवाद!

श्री यू. एस. मिश्र
594/2 ब्रम्ह स्थान सहादतपुरा, जिला-मऊ
275 101 (म.प्र.)
[मो.: 09621509894]

विज्ञान पर है अटूट विश्वास

होकर निर्लिप्त/ निःस्वार्थ भाव से
इस धरती पर वर्षों से
तू अपनी ड्यूटी कर रहा है विज्ञान
नहीं है तुझे कोई अभियान।
अपेक्षा नहीं कि तुझे मिले सम्मान
इसीलिए तो प्रत्येक पल
अविस्मरणीय बना है तेरा अवदान।
अतीत में तूने तो ही
प्लेग के आघात को दबाया था
हैजे की प्रखरता को हराया था
चेचक को भी तूने दूर भगाया था।
कितने ही रोगों को जड़ से मिटाया है
रोगों के रहस्यों को बताया है।
नया रूप धारण करके भले ही
कोरोना वायरस चुपके-से आया है
फिर भी वह तेरे सूक्ष्मदर्शी यंत्र के
दृष्टिकोण से बच नहीं पाया है।
गुप्त रूप से कोरोना वायरस ने
अपने आक्रमण से त्रस्त किया है जग को
एक दिन अवश्य वह परास्त होगा
विज्ञान के दृढ़प्रतिज्ञ उपचार प्रथ से।
मेरे विज्ञान तुझ पर है अटूट विश्वास
नई दवा/टीके का करेगा तू आविष्कार
शांति-संयम से तू उसका भी
सदा के लिये कर देगा संहार।
मेरे विज्ञान, तुझ पर है अभिमान
मेरे मानव-मन की आशाओं का
तू ही तो है आरोग्य-आसमान।

श्री जगदीश प्रसाद तिवारी 'नास्तिक'
2425, गाड़ी अड्डा, हाट मैदान, गोकुलगंज
महू-453441, जिला-इंदौर (म.प्र.)
[मो.: 09229574700]

सूचना

सभी सुधी लेखकों को अवगत कराना है कि अपने लेख के साथ अपना बैंक ब्यौरा, (बैंक का पता आई एफ एस सी कोड) तथा एकाउन्ट नम्बर अवश्य भेजें। जिन लेखकों का बैंक ब्यौरा समय से प्राप्त नहीं होगा, उनका मानदेय नहीं दिया जा सकेगा।